Title: Regarding need to declare Jeypore-Mottu road in Orissa as a national highway - Laid.

श्रीमती हेमा गमांग (कोरापुट) : महोदय, भारतीय सड़क विकास योजना 1981-2000 के हिसाब से उड़ीसा में सड़क यातायात साधन अखिल भारतीय औसत से बहुत पीछे है। राज्य की योजनाओं के मुताबिक उड़ीसा के राट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई 2001 तक 3114 कि.मी. होनी चाहिए। अभी तक राज्य में राट्रीय राजमार्ग सिर्फ 2752 कि.मी. है। कुछ राज्य सड़क परियोजनाओं को राट्रीय राजमार्ग घोाित करने के लिए राज्य सरकार ने प्रस्ताव केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय को भेज दिए हैं। उनमें से कुछ विशो मार्ग गोपालपुर-रायपुर और चेयपोर से मोट्टू है। जेयपोर से मोट्टू सड़क की लम्बाई 208 कि.मी. है जो मेरे संसदीय क्षेत्र से गुजरती है, यह कोरापुट और मलकानगिरी के आदिवासी जिले हैं। यह सड़क राज्य के अधिकांश अविकसित इलाके के उपयोग हेतु एकमात्र साधन है जो कि आन्ध्र प्रदेश राज्य को भी जोड़ती है। यह क्षेत्र खासतौर पर आदिवासी बाहुल्य है और नक्सलवादी गतिविधियों से प्रभावित है। इन सड़कों को उच्च स्तर का बनाने से आतंकवाद पर काबू पाया जा सकेगा।

अत: मैं सरकार से मांग करती हूं कि जेयपोर से मोट्टू सड़क को उच्च स्तर का बनवाकर राट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित किया जाए।